S.D.M. Government P.G. College, Doiwala, Dehradun

(Course outcome & program outcome)

Department of Sanskrit

BA (SANSKRIT)

Programme Outcomes (POs)

PO1. शिक्षक
PO2. अनुवादक
PO3. पाण्डुलिपि विशेषज्ञ
PO4. संस्कृत भाषाविद
PO5. योगाचार्य
PO6. वास्तुशास्त्रज्ञ
PO7. ज्योतिषाचार्य
PO8. आयुर्वेद मेडिकल के क्षंत्र में
Po6. मीडिया और जनसंचार के क्षेत्र में

Course Outcomes (COs)

B.A. 1st Year

Course Name	Course Outcomes (COs)
प्रथम प्रश्न पत्र –सुगम पाठ, व्याकरण एवम् अनुवाद	Cos1. नीतिशतकम् में नीति से सम्बन्ति ज्ञान प्रदान किया गया। Cos2. हितोपदेश–मित्रलाभ में छोटी–छोटी कथाओं से हितकारी उपदेश प्रदानकर सही शिक्षा से अवगत कराया गया है। Cos3. लघुसिद्धान्तकौमुदी में पाणिनी व्याकरण के संज्ञा प्रकरण, सन्धि प्रकरण से अवगत कराया गया। छात्र– छात्राओं को व्याकरण के माध्यम से स्वर, व्यंजन, सन्धि, विभक्ति, प्रकृति, प्रत्यय आदि का ज्ञान कराया जाता है जिससे छात्र–छात्राओं को संस्कृत व्याकरण की जानकारी हो सके।
द्वितीय प्रश्न पत्र– नाटक अलंकार एवं छन्द	Cos1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में दुष्यन्त एवं शकुन्तला का प्रणय कथा निबद्ध है जिसमें भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्श की स्थापना स्थापित की गयी है। Cos2. छन्द –अलंकार में छन्द एवं अलंकार का विस्तृत ज्ञान छात्र–छात्राओं को कराना है। Cos3. नाट्य साहित्य का इतिहास के माध्यम से संस्कृत साहित्य के प्रमुख नाटककार एवं नाट्य तत्वों से छात्र–छात्राओं अवगत कराना जिससे संस्कृत साहित्य की महत्वपूर्ण जानकारी छात्र–छात्राओं को प्राप्त हो सके।

Dr. Preetpal Singh
Co-ordinator, NAAC
S.D.M. Govt. P.G. College,
Doiwala, Dehradun.

PRINCIPAL
S.D.M. Govt. PG College
Doiwala (Dehradun)

Course Outcomes (COs)

B.A. 2nd Year

Course Name	Course Outcomes (COs)
प्रथम प्रश्न पत्र– गद्यकाव्य, प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास	**Cos1.** संस्कृत गद्य साहित्य के शुकनासोपदेश ग्रन्थ में जीवन के आदर्शों, मूल्यों के माध्यम से मनुष्य को नश्वर सांसारिक माया–मोह एवं लालसा से उबरने की शिक्षा प्रदानकर उच्च आदर्श स्थापित किया गया है। **Cos2** शिवराविजय के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा तथा लम्बे संघर्षों तक विपरीत परिस्थिति में अडिग रहकर अपने देश की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। **Cos3.** प्राचीन संस्कृत साहित्य में संस्कृत साहित्य के प्रचीन कवियों के विषय की जानकारी के साथ–साथ महाकाव्यों का काव्यात्मक परिचय कराया गया। अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के माध्यम से आधुनिक संस्कृत साहित्य के कवियों के परिचय के साथ–साथ उनके काव्यों में उल्लिखित महत्वपूर्ण मौलिक एवं शैक्षिक तत्वों से छात्र–छात्राओं को अवगत कराना।
द्वितीय प्रश्न पत्र– वेद एवं दर्शन	**Cos1.** ऋग्वेद में वेद में आये अग्निसूक्त, विष्णूसूक्त, पुरूषसुक्त में आये मंत्रों का ज्ञान प्राप्तकर वेदों के मूल तत्वों को स्थापित किया गया। **Cos2.** व्यासकृत भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिये गये उपदेशों के माध्यम से कर्मक्षेत्र की महत्ता की शिक्षा प्रदान की गयी। **Cos3.** तर्कसंग्रह में पदार्थों का विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुये दार्शनिक तत्वों को दशार्या गया। **Cos4.** वैदिक साहित्य का इतिहास में वेदों के रचनाकाल से लेकर उनके उपनिषदों, आरण्यकों, बाह्मण आदि का गहन ज्ञान प्रदान किया गया जिससे छात्र–छात्राएं लाभान्वित हो सकें।

Dr. Preetpal Singh
Co-ordinator, NAAC
S.D.M. Govt. P.G. College,
Doiwala, Dehradun.

PRINCIPAL
S.D.M. Govt. PG College
Doiwala (Dehradun)

Course Outcomes (COs)